भजन

तर्ज– घर आया मेरा परदेसी

प्रीत पिया की है सुखदाई, झूठी ये माया नहीं भाई

1– सतगुरू बन प्रीतम आये, अर्श खजाना संग लाये
सुध आ गई अपने घर की, जाग उठी आतम मेरी

2–अब तो निजघर है जाना,पिया के चरणों में बस जाना
वाणी सुनी हुई दीवानी, भूल गई माया फानी

3–पिया संग फिर से झीलेंगी, एक दूजी के संग झूमेंगी
नवरंग बाई नाचेगी, जुगल जोड़ी बीच सोहेगी